>

Title: Need to make river Aami flowing through Gorakhpur in Uttar Pradesh pollution free.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): जल जीवन का आधार है। भौतिक विकास के अंधानुकरण ने आज जीवन के प्रमुख आधार " जल प्रदूषण " की भीषण समस्या पैदा की है। भीषण जल प्रदूषण के कारण जीव और जगत दोनों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। देश की माँ तुल्य प्रमुख पवित्र नदियों गंगा, यमुना आदि बड़ी नदियां हो अथवा उनसे जुड़ी सहायक नदियां सभी को अनियोजित एवं अवैज्ञानिक विकास की सोच ने पूरी तरह प्रदूषित कर दिया है। गोरखपुर जनपद के बीच से बहने वाली और राप्ती नदी की सहायक नदी आमी पिछले कई वर्षों से इस अभिशाप से अभिशप्त हैं। कभी आमी नदी के तटवर्ती गांवों में पूर्वी उ0प्र0 की प्रमुख खेती के साथ-साथ पशुधन पलता था। मछुआरों की आय का भी प्रमुख साधन आमी नदी थी, लेकिन पहले खलीलाबाद की कथित औद्योगिक ईकाइयों द्वारा इस नदी को प्रदूषित किया गया जो अब भी जारी है, इसके साथ ही वर्तमान में गीड़ा और रूधौली में स्थित औद्योगिक ईकाइयों का कचरा भी इसी नदी में गिराए जाने के कारण इस नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। इस नदी के तटवर्ती गांवों में पशुधन, खेती, मछली पालन जब जल-प्रदूषण की भेंट चढ़ गए हैं। यह नदी वर्तमान में भयंकर प्रदूषण के कारण पूरी तरह बदबू कर रही है। राप्ती नदी में मिलने पर कई कि0मी0 तक इस नदी के कारण बड़ी संख्या में मछलियां मर गई हैं। आमी नदी में प्रदूषण का मुख्य स्रोत संत कबीरनगर और नगर पंचायत मगहर से फैंका जाने वाला सीवेज है। इस संबंध में म्यूनिसिपल प्राधिकरणों को क्या कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए हैं। स्थानीय स्तर पर इस भयंकर प्रदूषण के खिलाफ आंदोलन चल रहा है।

कृपया आमी बचाओं मंच के अभियान को देखते हुए व्यापक हित में आमी नदी को प्रदूषण से मुक्त किया जाए।